- **कांसे** से बनी मूर्तियों में हमें मानव के साथ-साथ पशु-आकृतियाँ भी प्राप्त होती हैं। ***मोहनजोदड़ो*** से प्राप्त **नर्तकी** (Dancing Girl) की कांस्य-मूर्ति इसका सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है।
- कांसे की पशु-आकृतियों में उठे हुए सिर, पीठ (कूबड़) और भारी सींग वाला भैंसा तथा भेड़ की कलात्मक दृष्टि से उत्तम कृतियाँ हैं।
- इसके अतिरिक्त कालीबंगा से प्राप्त तांबे की वृषभ मूर्ति अद्वितीय है। बैल, कुत्ता, खरगोश तथा चिड़ियों की भी तांबे की मूर्तियाँ प्राप्त होती हैं।

दाढ़ीयुक्त पुरुष (Bearded Man) नृत्यरत स्त्री (Dancing Girl)

1.1.2.3. मृणमूर्ति कला (Terracotta)

मृणमूर्तियाँ (टेराकोटा) आग में पकी हुई मिट्टी की मूर्तियाँ हैं और ये हस्तनिर्मित हैं, जिनमें पिंचिंग विधि (Pinching method) का प्रयोग किया गया है।

- सिंधु घाटी के लोगों ने मिट्टी की मूर्तियों का भी निर्माण किया, परन्तु प्रस्तर और कांस्य मूर्तियों की तुलना में मृणमूर्तियों का निरूपण अपरिष्कृत है।
- ये गुजरात के कई स्थलों और कालीबंगा में वास्तविकता के अधिक निकट हैं। उदाहरणतः यहाँ से **मातृदेवी, पहियों वाली खिलौना गाड़ी, सीटियां, पक्षियों और पशुओं** इत्यादि की मृणमूर्तियाँ प्राप्त होती हैं।

मातृदेवी (Mother Goddess)

पहिया युक्त खिलौना गाड़ी (Toy carts with wheels)